3rd of this month be referred to the Committee of Privileges."

The motion was adopted.

SHRI JYOTIRMOY BOSU rose. (*Interruptions*).

MR. SPEAKER: I am not allowing you. It is now time for adjournment of the House for lunch. After lunch we will start and please do not do it again.

13.01 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at six Minutes past Fourteen of the Clock

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

MATTERS UNDER RULE 377—*contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Matters under Rule 377. Prof. Nirmala Kumari Shaktawat.

(*Interruptions*)**

MR. DEPUTY-SPEAKER: Any other point will not go on record. Only Shaktawatji's speech will go on record. I will not allow anything else.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: On a point of order...

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: You have got to take my permission even for raising a point of order.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Why?

MR. DEPUTY-SPEAKER: Because I am not permitting you.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I am on a point of order.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Point of order cannot be raised between two subjects.

(*Interruptions*)**

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am not permitting anything

(ii) NEED TO SET UP A RURAL HOUSING BOARD

श्री गिर्राज कुमारी शक्तावत (चित्तौड़गढ़): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मानव की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यक आवश्यकताएं भोजन, वस्त्र तथा मकान की हैं। देश के अधिकांश व्यक्तियों के पास रहने का मकान नहीं है। अतः केन्द्रीय सरकार इस ओर ध्यान दें।

नगरों में इस समस्या के समाधान के लिए आपने हाउसिंग बोर्ड या आवासन बोर्ड बनाए हैं, पर देश की 75 से 80 प्रतिशत जनसंख्या जो गांवों में रहती है, उनके लिए कोई व्यवस्था नहीं है।

मेरा सुझाव है कि आवास मंत्रालय आवासन मण्डल की स्थापना करे जो ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते, स्वच्छ तथा हवादार मकान बनाकर ग्रामीण किसानों तथा भूमिहीन व्यक्तियों को बनाकर दे।

गांवों में भोजन तो जैसे तैसे मिल जाता है, वस्त्र की पूर्ति भी व्यक्ति कर लेता है पर आवास की गम्भीर समस्या है। कच्चे फूस तथा खपरैल से बनी झोंपड़ियों में ही मानव अपनी जिंदगी के सुनहरे दिन निकाल रहा है। या फिर ग्रामीण व्यक्ति गांवों को छोड़ कर नगरों की तरफ पलायन कर रहे हैं। अतः सरकार सस्ते मकान बनाकर आसान किस्तों पर ग्रामीणों को देगी तो यह नगरों की तरफ भागने की प्रवृत्ति काफी अधिक रुकेगी।

**Not recorded.